CHAPTER-VI

AIACE IN MEDIA

WAKE UP TELANGANA
ENGLISH DAILY
Wake Up Telangana - 11 Jul 2024 - Page 2

"Kishan Reddy announces plans for pension hike, offering hope to retired coal employees."

Hyderabad,
Wakeuptelangana

Hyderabad: Union Minister for Coal & Mines G Kishan Reddy assured on Wednesday that he would recommend increasing the pension for retired coal employees.The assurance came after he received a representation from Dandamraj Ramchander Rao, President of the Singareni Retired Employees Welfare Association, and PK Singh Rathore, Convenor of the All India Coal Pensioners Association. They highlighted the challenges faced by coal pensioners surviving on inadequate pension amounts.Kishan Reddy affirmed his commitment to addressing their concerns promptly, stating that he will take up the matter with the relevant authorities to ensure a suitable enhancement of pensions for retired coal employees.

Union Minister for Coal & Mines G Kishan Reddy pledged on Wednesday to advocate for an increase in the pension of coal employees. His commitment came after receiving a representation from Singareni Retired Employees Welfare Association President Dandamraj Ramchander Rao and All India Coal Pensioners Association Convenor PK Singh Rathore. The representation highlighted the longstanding issues faced by coal pensioners, including inadequate pension amounts that have led to their hardships. Kishan Reddy

Telangana Today
E-PAPER
FOR LOCAL TO GLOBAL NEWS

Kishan assures aid for coal pensioners

STATE BUREAU
Hyderabad

Will take up issues with the authorities concerned and strive hard to enhance pension, says Union Minister

Union Minister for Coal & Mines G Kishan Reddy on Wednesday said he would recommend to the Centre to increase the pension of coal employees.

Singareni Retired Employees Welfare Association president Dandamraj Ramchander Rao and All India Coal Pensioners Association Convenor PK Singh Rathore submitted a representation to Kishan Reddy on the issues related to their long pending demands, including the sufferings of coal pensioners who were surviving on insubstantial pension. The Minister assured that soon he would take up their issues with the authorities concerned and strive hard to enhance the pension suitably, according to a press release.

11/07/2024 | Telangana | Page : 5
Source : https://epaper.telanganatoday.com/

https://indianpsu.com/aicpa-and-aiace-representatives-apprise-union-coal-minister-of-pitiable-condition-of-pensioners-of-cil-and-sccl/

AICPA And AIACE Representatives Apprise Union Coal Minister Of Pitiable Condition Of Pensioners Of CIL and SCCL

They told the minister that many pensioners are getting pension less than Rs 1000/- per month in spite of working in dirty environment for long years

By Deepak Josh i July 10, 2024

On 10-07-2024, D. Ram Chandra Rao and Meduri Vijaya Babu called on G Kishan Reddy, Union Minister of Coal in Hyderabad, on behalf of All India Coal Pensioners Association (AICPA), Singareni Retired Employees Welfare Association and All India Association of Coal Executives (AIACE). They handed over representation to the minister for revision of pension to the coal employees.

The petition expounded the sufferings of coal pensioners who are surviving on insubstantial pension and requested immediate intervention of the Ministry of coal & mines to sort out the issues plaguing coal pensioners. Hon'ble Union Minster responding positively, assured to discuss the issue with the relevant authorities for enhancement of the pension suitably.

After handing over the representation, the delegation apprised Hon'ble Coal Minister about pitiable condition of Pensioners in coal sector of CIL and SCCL who have retired long back.

He was informed that many pensioners are getting pension less than Rs 1000/- per month in spite of working in dirty environment for long years for meeting the energy requirement of the country. Even the highest Board level and below board level executives who retired before 2007 are getting a meagre pension, insufficient to lead comfortable life.

P. K Singh Rathor, Convenor, AICPA told that the poor pensioners are on the verge of starvation with the present pension amount and the government should immediately intervene for increasing the pension.

ऑल इण्डिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन (एआईसीपीए) ऑल इण्डिया एसोसिएशन ऑफ कोल एक्सएकूटिव्स दिया ज्ञापन

मीडिया फॉर यू

वाराणसी: डी राम चंद्र राव और मेदुरी विजय बाबू ने ऑल इण्डिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन (एआईसीपीए)

सिंगरेनी रिटायर्ड एम्पलीईस वेल्फेयर एसोसिएशन और ऑल इण्डिया एसोसिएशन ऑफ कोल एक्सएकूटिव्स (एआईएसीई) की ओर से हैदराबाद में माननीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी से मुलाकात की उन्होंने कोयला कर्मचारियों की पेंशन में संशोधन के लिए मंत्री को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में अपर्याप्त पेंशन पर जीवित रहने वाले कोयला पेंशनभोगियों की पीड़ा को दर्शाया गया और कोयला पेंशनभोगियों को तड़पाने वाले मुद्दों को सुलझाने के लिए कोयला और खान मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया माननीय केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए पेंशन को उचित रूप से बढ़ाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने का आश्वासन दिया

ज्ञापन सौंपने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने माननीय कोयला मंत्री को सीआईएल और एससीसीएल के कोयला क्षेत्र में पेंशनभोगियों की दयनीय स्थिति से अवगत कराया। उन्हें बताया गया कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई वर्षों तक गंदे वातावरण में काम करने के बावजूद कई पेंशनभोगियों को 1000 रुपये प्रति माह से भी कम पेंशन मिल रही है। यहां तक कि 2007 से पहले सेवानिवृत्त हुए उच्चतम बोर्ड स्तर और बोर्ड स्तर से नीचे के अधिकारियों को भी मामूली पेंशन मिल रही है, जो कष्टप्रद जीवन जीने के लिए अपर्याप्त है। एआईसीपीए के संयोजक पी.के. सिंह राठौर ने बताया कि वर्तमान पेंशन राशि से गरीब पेंशनभोगी भुखमरी के कगार पर हैं और सरकार को पेंशन बढ़ाने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए

https://www.industrialpunch.com/minister-kishan-reddy-said-this-regarding-the-amendment-in-the-pension-of-coal-workers/#google_vignette

कोयला कामगारों की पेंशन में संशोधन को लेकर मंत्री किशन रेड्डी ने यह कहा

ज्ञापन सौंपने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने कोयला मंत्री को सीआईएल और एससीसीएल के कोयला क्षेत्र में पेंशनभोगियों की दयनीय स्थिति से अवगत कराया

By **Industrial Punch**

- 10 July 2024

कोयला मंत्री को पेंशन संबंधी ज्ञापन सौंपते हुए

pension of coal workers : हैदराबाद, 10 जुलाई। बुधवार को ऑल इण्डिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन (एआईसीपीए), सिंगरेनी रिटायर्ड एम्प्लॉईस वेल्फेयर एसोसिएशन और ऑल इण्डिया एसोसिएशन ऑफ कोल एक्सएकूटिव्स (एआईएसीई) की ओर से डी राम चंद्र राव और मेदुरी विजय बाबू के नेतृत्व में ने हैदराबाद में कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी (Coal Minister G Kishan Reddy) से मुलाकात की। उन्होंने कोयला कर्मचारियों की पेंशन में संशोधन के लिए मंत्री को ज्ञापन सौंपा।
ज्ञापन में अपर्याप्त पेंशन पर जीवित रहने वाले कोयला पेंशनभोगियों की पीड़ा को दर्शाया गया और कोयला पेंशनभोगियों के मुद्दों को सुलझाने के लिए कोयला और खान मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया। केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए पेंशन को उचित रूप से बढ़ाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने कोयला मंत्री को सीआईएल और एससीसीएल के कोयला क्षेत्र में पेंशनभोगियों की दयनीय स्थिति से अवगत कराया। उन्हें बताया गया कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई वर्षों तक काम करने के बावजूद कई पेंशनभोगियों को 1000 रुपये प्रति माह से भी कम पेंशन मिल रही है। यहां तक कि 2007 से पहले सेवानिवृत्त हुए उच्चतम बोर्ड स्तर और बोर्ड स्तर से नीचे के अधिकारियों को भी मामूली पेंशन मिल रही है।

इधर, एआईसीपीए के संयोजक पी. के. सिंह राठौर ने कहा कि वर्तमान पेंशन राशि से गरीब पेंशनभोगी भुखमरी की कगार पर हैं और सरकार को पेंशन बढ़ाने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए।

Central Chronicle
Bilaspur | WEDNESDAY, July 10, 2024

COURTESY MEETING

AICEI delegation holds meeting with Union Minister in Bilaspur

KORBA: A delegation of AIACE led by AICPA Convenor PK Singh Rathore, Bilaspur Branch President Dr AM Mohan, SC Sinha and PK Sharan met Tokhan Sahu, Union Minister of State for Urban Development at Bilaspur on 6th July and handed over a memorandum to him to take up the issue of pension of coal sector retirees with the Union Coal Minister. After handing over the memorandum, Shri Rathore apprised the Minister about the pitiable condition of coal sector pensioners who have retired long back. He was told that despite working for many years in dirty environment to meet the energy needs of the country, many pensioners are getting pension of less than Rs. 1000 per month. Even the highest Board level and below Board level officers who retired before 2007 are getting meager pension which is insufficient to lead a hassle free life.

https://samarthynews.com/archives/4836

समर्थ न्यूज़

होम | पढ़िए | देखिए

होम लेटेस्ट न्यूज़ देश विदेश ग्रामीण पर्यटन खेतीबाड़ी खेल नौकरी बिज़नेस शिक्षा मनोरंजन क्राइम टेक्नोलॉजी

Home Chhattisgarh

एआईएसीइ प्रतिनिधिमंडल ने की बिलासपुर में केंद्रीय मंत्री से मुलाकात

बिलासपुर। *एआइसीपीए के संयोजक पीके सिंह राठौर, बिलासपुर शाखा के अध्यक्ष डॉ. एएम मोहन, एस सी सिन्हा और पी के शरण के नेतृत्व में एआइएसीइ के प्रतिनिधिमंडल ने 6 जुलाई को बिलासपुर में तोखन साहू, केन्द्रीय शहरी विकास के राज्य मंत्री से मुलाकात की और उन्हें कोयला क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन के मुद्दे को केंद्रीय कोयला मंत्री के समक्ष उठाने के लिए एक ज्ञापन सौंपा।*

ज्ञापन सौंपने के बाद श्री राठौर ने मंत्री को कोयला क्षेत्र के बहुत पहले सेवानिवृत्त हो चुके पेंशनर्स की दयनीय स्थिति से अवगत कराया।।

उन्हें बताया गया कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई वर्षों तक गंदे वातावरण में काम करने के बावजूद कई पेंशनर्स को 1000 रुपये प्रति माह से भी कम पेंशन मिल रहा है। यहां तक कि उच्चतम बोर्ड स्तर और बोर्ड स्तर से नीचे के अधिकारी जो 2007 से पहले सेवानिवृत्त हुए हैं, उन्हें भी बहुत कम पेंशन मिल रही है, जो कष्टरहित जीवन जीने के लिए अपर्याप्त है।

प्रतिनिधि मंडल मंत्री श्री साहू से अनुरोध किया है कि वे इस मुद्दे को समर्थन दें और कोयला मंत्री के समक्ष इस गंभीर मुद्दे को उठाने के लिए अपने अच्छे संपर्कों का उपयोग करें, क्योंकि वर्तमान पेंशन राशि के साथ गरीब पेंशनभोगी भुखमरी के कगार पर हैं। प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में वांछित कार्रवाई के आश्वासन से प्रसन्न था।

[खबर जो सत्य उगले] वाराणसी सोमवार, 8 जुलाई 2024 । मूल्य 5.00, कुल पृष्ठ 8 [वर्ष: 6, अंक: 164, RNI UPHIN2016/68165] ☎ +91-9621878687 www.purvanchalrajya.com email.krishnanewsvns@gmail.com

अनमोल वचन
ज्ञान के बिना जीवन की दिशा नहीं बदल सकती।
- अज्ञात

पूर्वांचल राज्य

"राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक"

34.93 करोड़ की लागत से होगा ... 03 | 08 काशी गौरव अवॉर्ड से सम्मानित ...

ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एक्जीक्यूटिव्स व एआईएसीई प्रतिनिधिमंडल ने की बिलासपुर में केंद्रीय मंत्री को दिया ज्ञापन

वाराणसी पूर्वांचल राज्य ब्यूरो अभिषेक दुबे की रिपोर्ट

वाराणसी एआइएसीइ /एआइसीपीए के संयोजक पी के सिंह राठौर, बिलासपुर शाखा के अध्यक्ष डॉ. ए एम मोहन एस सी सिन्हा और पी के शरण के नेतृत्व में एआइएसीइ के प्रतिनिधिमंडल ने 6 जुलाई को बिलासपुर में माननीय तोखन साहू केन्द्रीय शहरी विकास के राज्य मंत्री से मुलाकात की और उन्हें कोयला क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन के मुद्दे को केंद्रीय कोयला मंत्री के समक्ष उठाने के लिए एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के बाद राठौर ने मंत्री को कोयला क्षेत्र के बहुत पहले सेवानिवृत्त हो चुके पेंशनर्स की दयनीय स्थिति से अवगत कराया। उन्हें बताया गया कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई वर्षों तक गंदे वातावरण में काम करने के बावजूद कई पेंशनर्स को 1000 रुपये प्रति माह से भी कम पेंशन मिल रहा है। यहां तक कि उच्चतम बोर्ड स्तर और बोर्ड स्तर से

नीचे के अधिकारी जो 2007 से पहले सेवानिवृत्त हुए हैं उन्हें भी बहुत कम पेंशन मिल रही है जो कष्टरहित जीवन जीने के लिए अपर्याप्त है। साहू से अनुरोध किया गया कि वे इस मुद्दे को समर्थन दें और माननीय कोयला मंत्री के समक्ष इस गंभीर मुद्दे को उठाने के लिए अपने अच्छे संपर्कों का उपयोग करें क्योंकि वर्तमान पेंशन राशि के साथ गरीब पेंशनभोगी भुखमरी के कगार पर हैं प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में वांछित कार्रवाई के आश्वासन से प्रसन्न था।

https://indianpsu.com/aiace-delgation-meets-mos-urban-development-apprised-about-pitiable-condition-of-coal-pensioners/

AIACE Delegation Meets MoS Urban Development, Apprised About Pitiable Condition of Coal Pensioners

The Minister was told that many pensioners are getting pension less than Rs 1000/- per month in spite of working in dirty environment for long years

Indian PSUJuly 7, 2024

AIACE delegation led by P.K. Singh Rathor, Convenor of AIACE/AICPA, Dr A M Mohan, President, Bilaspur Branch, S.C. Sinha and P.K. Sharan met Tokhan Sahu, Hon'ble Minister of State, Urban Development in Bilaspur on 6th July and handed him a memorandum for taking up with Hon'ble Union Minister for Coal, the vexing issue of Pension to retirees from coal sector.

After handing over the representation, Shri Rathor told that the minister was apprised about pitiable condition of coal pensioners, escecially those Pensioners who retired long back.

He told that many pensioners are getting pension less than Rs 1000/- per month in spite of working in dirty environment for long years for meeting the energy requirement of the country. Even the highest Board level and below board level executives who retired before 2007 are getting a meagre pension, insufficient to lead comfortable life.

The Minister was requested for extending support to the cause and use his good offices for resolving this critical issue by taking up with the coal minister as poor pensioners are on the verge of starvation with the present pension amount. The delegation was glad on assurances of desirable actions in this regard.

https://psuwatch.com/newsupdates/coal-psu-pensioners-still-not-being-paid-minimum-pension-aicpa-tells-govt

Coal PSU pensioners still not being paid minimum pension: AICPA tells govt

The AICPA and AIACE have written a letter to the Coal Secretary, flagging the delay in the payment of minimum pension of Rs 1,000/month to coal PSU pensioners

Published on:

03 Jul 2024, 10:15 pm

New Delhi: The All India Coal Pensioners' Association (AICPA) and All India Association of Coal Executives (AIACE) have written a letter to the Coal Secretary, flagging the delay in the payment of minimum pension of Rs 1,000/month to coal PSU pensioners. They said that the delay is despite an amendment that was notified by the government in this regard in March this year. "Though, the govt is taking time to understand the misery of coal pensioners, it has issued a Gazette notification No. G.S.R.165(E) dated 06 March, 2024 for enhancement of minimum pension payable under Coal Mines Pension Scheme-1998," the letter dated June 29 said.

"Subsequently, citing the above Gazette notification, CMPF Commissioner, vide Ref no. CMPFO/CP/116(7)/Gazette Notification/Vol-IV/99 dated 12-March, 2024, wrote to Chairman, CIL; CMD, SCCL with copies to other concerned persons/organizations/departments, for information and wider circulation regarding payment of enhanced pension @Rs1000/month," said the two bodies that represent pensioners and executives in coal PSUs.

"It is regretted that even after lapse of 3 months, the benefit of crediting this minimum pension of Rs 1,000 has not yet started. Many of such affected pensioners have brought to our knowledge that increased pension amount @Rs1000/ has not been credited in their account," said PK Singh Rathor, convenor of AIACE and AICPA.

CMPFO has misinterpreted the gazette notification: Rathor

In the letter, Rathor said that the Coal Mines Provident Fund Organisation (CMPFO) has failed to interpret and correlate the amended provisions in the Gazette Notification which has decreed that the minimum pension cannot be less than Rs 1,000/month. "Under the circumstances, it is requested for needful actions so that all pensioners start receiving minimum pension with immediate effect," the letter said.

दैनिक भास्कर कोरबा 10-06-2024

मांग • ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव ने अतिरिक्त सचिव को पत्र लिखा

कोल पेंशनरों के हित का सुझाव अमल में नहीं लाया, कार्यशाला भी अधर में अटकी

भास्कर न्यूज | कोरबा

कोल पेंशनरों के हित का सुझाव अमल में नहीं लाया है। साथ ही पेंशन वृद्धि के तरीके खोजने कार्यशाला भी अधर में अटकी है। ऑल इंडिया एसेसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव ने कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव को पत्र लिखा है। इसमें रिटायर्ड कोयला कर्मियों के कल्याण को प्राथमिकता देने और पेंशन में बढ़ोतरी की जरूरत बताई है।

कोल पेंशनरों के हित में निर्णय लेने ऑल इंडिया एसेसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव (एआईएसीई) ने सुझाव दिए हैं, जिसे अमल में लाने का इंतजार है। पत्र में बताया है कि एक नियमित अंतराल में पेंशन की समीक्षा व संशोधन करना था, लेकिन 1998 के बाद से अब तक इसकी समीक्षा नहीं की गई है और जब एआईएसीई के नेतृत्व में बीते फरवरी में धरना-प्रदर्शन का निर्णय लिया तो सीएमपीएफओ ने सकारात्मक निर्णय लेने आश्वस्त करने पर आंदोलन स्थगित कर दिया था, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया है और न ही सुझाव को अमल में लाया है। संगठन के प्रतिनिधि मंडल के साथ सीएमपीएफओ के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में इस ओर भी ध्यान आकृष्ठ कराया है। उक्त बैठक में कोल पेंशनरों के पेंशन में वृद्धि को लेकर निर्णय लेने कार्यशाला आयोजित करना था, लेकिन यह कार्यशाला चुनाव आचार संहिता के कारण स्थगित कर दी गई। इस पर भी उचित निर्णय लेने की मांग की है।

पेंशनर्स के हित में समीक्षा और संशोधन नहीं: पीके सिंह

ऑल इंडिया ऐसोसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव के संयोजक पीके सिंह राठौर ने बताया कि पेंशनरों के हित में निष्पक्ष रूप से समीक्षा व संशोधन नहीं किया गया है। इस कारण कोल पेंशनरों को उचित लाभ नहीं मिल पाया। सेवानिवृत्त कोयला खनिकों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए संगठन के सुझाव अमल में लाया जाए। इसके लिए सुधार की जरूरत है। इसे लेकर होने वाली कार्यशाला भी अधर में अटक गई है।

नियमानुसार 26 साल में 8 बार होना था संशोधन

संगठन का कहना है कि कोल इंडिया के देश की नंबर वन कोयला उत्पादक कंपनी बनने में रिटायर्ड कोयला कामगारों का भी योगदान है। बावजूद इसके कोयला खान पेंशन योजना 1998 में अब तक कोई संशोधन नहीं हुआ है, जबकि बीते 26 साल में 8 बार नियमानुसार संशोधन हो जाना चाहिए था, लेकिन बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने कुछ नहीं किया।

पेंशन फंड में ज्यादा खर्च पर बोर्ड ऑफ ट्रस्टी जता चुका चिंता

पेंशन फंड में ज्यादा खर्च पर बोर्ड ऑफ ट्रस्टी चिंता जता चुकी है। इससे यह साफ है कि कम राशि पेंशन फंड को मिलते हैं। कोल इंडिया के सहयोगी कंपनियों से रिटायर होने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार कोल इंडिया में स्थायी कर्मियों की संख्या अक्टूबर 2023 को 2 लाख 33 हजार 48 है। वहीं रिटायर कर्मियों की संख्या 31 मार्च को 3 लाख 68 हजार 546 है। इनको पेंशन देने के मद में हर साल करीब 4 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुआ है, जबकि पेंशन फंड में 4300 करोड़ रुपए आते हैं।

https://indianpsu.com/aiace-writes-to-coal-ministry-officials-revision-of-pension-benefits-to-redired-miners/

AIACE Writes To Coal Ministry Officials Revision Of Pension Benefits To Retired Miners

The letter also states that the AIACE had postponed its proposed dharna at Jantar Mantar in New Delhi, scheduled on February 12, 2024

AdminJune 7, 2024

67 Less than a minute

WhatsAppFacebookTwitterEmailCopy LinkShare

P.K.S. Rathore, Convenor of AIACE and AICPA has written a letter to Additional Secretary, Ministry Of Coal, Smt. Rupinder Brar, seeking revision of pension benefits to retired miners. The copy of the letter has also been sent to Secretary Coal, CMPF Commissioner – Dhanbad and Chairman of Coal India Limited. The contents of the letter are given below for the benefit of the viewers of **www.indianpsu.com** –

ALL INDIA ASSOCIATION OF COAL EXECUTIVES (AIACE)
(Regd. Under the Trade Union Act, 1926; Regd. No. 546 / 2016)
302, Block No. 4, Ram Krishna Enclave, Nutan Chowk, Sarkanda; Bilaspur (CG)
E-mail : centralaiace@gmail.com ; Ph. 9907434051

AIACE/CENTRAL/2024 / 050 ***Dated 7.6.2024***

To
Smt. Rupinder Barar,
Additional Secretary, Ministry of Coal
Government of India,
New Delhi.

Sub: Workshop on finding ways for enhancement of pension in Coal Sector under CMPS-1998 to be attended by AIACE, AICPA members, CMPFO & MOC officials, and others at Bilaspur (CG)

Respected Madam,

We wish to recall that a meeting was held at Shastri Bhawan on 31-1-2024 which was attended by Sri Abdul Kalam, Dr B K Shrivastav and P K Singh Rathor representing AIACE/AICPA along with MOC and CMPFO officials namely Smt. Santosh, DDG, MOC and Sri V. K. Mishra, Commissioner, CMPFO in your presence.

The takeaway of this meeting was assurance for taking suitable measures on the suggestions put forward by us. It was tentatively agreed for a comprehensive workshop in 1st week of March, 24 at Bilaspur (CG) to take it further. But, due to ensuing Lok Sabha election, proposed workshop could not be organized.

It is to reiterate that, in view of the positive initiatives by CMPFO and assurance given in the meeting, our proposed Dharna at Jantar-Mantar, Delhi on 12th February, 2024 was postponed.

The pension in Coal sector has been plagued due to corpus fund mismanagement and not investing the funds in instruments of high yield returns, whereas pension schemes in other sectors are flourishing. Sadly, neither actuarial review at regular interval nor review & revision of pension since 1998 has ever been done.

The pension fund management under the CMPS-1998 has been subject to criticism and scrutiny as evident from 12th report of Public Accounts Committee (PAC) No. 2193 report presented to Parliament on 18th March, 2020.

The bureaucratic inertia and lack of proactive measures have prevented speedy implementation on suggestions contained in this PAC report.

Certainly, necessary urgent reforms are required to overhaul the ministry's approach, prioritize the welfare of retired coal miners, and ensure that their rightful pension benefits are promptly and fairly revised

Hence, we request you for an early fixation of date for Bilaspur Workshop as agreed in the meeting.

With Regards,

P. K. Singh Rathor
Convenor, AIACE/AICPA

Copy to:

Coal Secy, GOI, New Delhi
Smt. Santosh Agrawal, DDG, MOC
CMPF Commissioner, Dhanbad
Chairman, CI, Kolkata
CMD, SCCL

एआईएसीई कोरबा शाखा का मना स्थापना दिवस

अमन पथ न्यूज

जांजगीर चांपा। ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एक्जीक्यूटिव्स (एआईएसीई) कोरबा शाखा का स्थापना दिवस 25 मई, 2024 को कोरबा में धूमधाम से मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. मणि शेखर ने की। एसोसिएशन का गठन 16 तारीख 2015 को हुआ था और इसकी शुरूआत के 9 साल पूरे हो गए हैं। समारोह की शुरूआत यू के दुबे के स्वागत गीत से हुई। एस सी सिन्हा, पी के शरण, सुजीत झा, के एल कुर्रे, बी के मिश्रा, संजीव मेहता और अन्य ने पी के सिंह राठौड़ द्वारा एआईएसीई के गठन के इतिहास के बारे में बात की। इस अवसर पर एआईएसीई के संयोजक पी.के. सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि थे। उन्होंने एआईएसीई की यात्रा के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे इसने कोयला अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए विभिन्न उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने बताया कि एआईएसीई व्यापक सर्वसमावेशी दृष्टिकोण वाला विश्व का एक अनूठा संघ है। उन्होंने एसोसिएशन द्वारा चलाये जा रहे एआईएसीई बेनेवोलेंट फंड के बारे में भी बताया. उन्होंने सभी से अपील की. सदस्य एआईएसीई में अधिक से अधिक अधिकारियों को जोड़ें। बैठक के बाद कोरबा कोल क्लब के सदस्यों यू के दुबे, श्रीमती दुबे, सुजीत झा, श्रीमती रेनू सिन्हा, ए के श्रीवास और अन्य द्वारा गीत गाकर, कविता सुनाकर एक बहुत ही जीवंत और अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।स्मृति को जीवित रखने के लिए सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये।

NEWSLINE

FOUNDATION DAY

Foundation day celebration of AIACE conclude

KORBA: The Foundation Day of All India Association of Coal Executives (AIACE) Korba Branch was celebrated with much pomp and show at Korba on 25th May, 2024. Dr. Mani Shekhar presided over the function. The association was formed in 2015 and has completed 9 years since its inception. The function started with the welcome song by UK Dubey. SC Sinha, PK Sharan, Sujit Jha, KL Kurre, BK Mishra, Sanjeev Mehta and others talked about the history of formation of AIACE by PK Singh Rathore. On this occasion, AIACE convener P.K. Singh Rathore was the chief guest. He briefed about the journey of AIACE and how it has achieved various achievements for the welfare of coal executives and employees.

वाराणसी से प्रकाशित RNI No. UPHIN/2016/68165
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
पूर्वांचल राज्य
4 6
वर्ष : 09 अंक : 64 वाराणसी, शुक्रवार, 05 अप्रैल, 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य : 5.00 रुपए

कोल पेंशनर की सुविधा हेतु दीया मांग पत्र प्रधान महासचिव पी,के सिंह राठौड़

पूर्वांचल राज्य

वाराणसी। संशोधित पीपीओ जारी करने के लिए आवश्यक डेटा संग्रह के लिए पेंशन वितरण बैंकों को शामिल करने के लिए पत्र संख्या एआईएसीई सेंट्रल 2023/66 दिनांक 25/8/2023 के माध्यम से एआईएसीई के पहले के प्रस्ताव पर फिर से विचार करने का सीएमपीएफओ द्वारा कोयला कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद जीवनसाथी के नाम और उनकी तस्वीरों सहित सभी आवश्यक डेटा एकत्र करने के बाद पीपीओ जारी किया जाता है। समय पर जीवन प्रमाण पत्र जमा करने पर बैंक बिना किसी समस्या के पेंशन का वितरण करता है । अधिकांश पेंशनभोगियों ने अपने पेंशन खाते को 'पूर्व या उत्तरजीवी के रूप में परिवर्तित कर लिया है।

विधवा पेंशन को सुचारू रूप से शुरू करने की सुविधा के लिए, संशोधित पीपीओ जारी करने हेतु, जीवनसाथी का आधार कार्ड, पैन कार्ड (यदि आवश्यक हो) और अन्य डेटा एकत्र करने की कवायद शुरू की गई है, जिनमें से अधिकांश डाटा कंपनी, सीएमपीएफओ और पेंशन वितरण बैंकों के पास पहले से ही उपलब्ध हैं।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए और सराहना की जानी चाहिए कि एआईएसीई एआईसीपीए लाभार्थियों की मृत्यु के मामले में जीवनसाथी को परेशानी मुक्त पेंशन शुरू करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

जीवनसाथी को पेंशन शुरू करने के लिए, केवल लाभार्थी के मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है क्योंकि आधार कार्ड, जीवनसाथी का पैन कार्ड (यदि आवश्यक हो), पेंशन भुगतान करने वाले बैंकों के पास उपलब्ध हैं।

■ আসানসোলে অল ইন্ডিয়া অ্যাসোসিয়েশন অব কোল এগজিকিউটিভের নবম প্রতিষ্ঠা দিবস উপলক্ষে অনুষ্ঠান। *নিজস্ব চিত্র*

दैनिक जागरण

प. बंगाल, झारखंड, बिहार, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित

गिरफ्तार नहीं कर सकती 12

फुटबाल कप्तान सुनील छेत्री लेंगे संन्यास, छह जून को खेलेंगे अंतिम मैच 10

मोहल्ला आदि से कई लोग जाते हैं।

एआइएसीई का नौवां स्थापना दिवस मनाया, जुटे कोल इंडिया के अधिकारी

एआइएसीई के नौंवे स्थापना दिवस पर मंचासीन एसोसिएशन के अधिकारी • जागरण

जागरण संवाददाता, आसनसोल : आल इंडिया एसोसिएशन आफ कोल इंडिया एग्जीक्यूटिव (एआइएसीई) का नौंवा स्थापना दिवस गुरुवार को मनाया गया। इसमें एसोसिएशन के आसनसोल शाखा के वर्तमान और सेवानिवृत्त कोल इंडिया अधिकारी शामिल हुए। संगठन के आसनसोल शाखा के महासचिव बिजन चक्रवर्ती ने कहा कि यहां पर कोल इंडिया के वर्तमान और अवकाश प्राप्त अधिकारियों को संगठन की तरफ से क्या सुविधा प्रदान की जाती है या सेवानिवृत्ति के उपरांत वह किन सुविधाओं को पा सकते हैं, इसकी जानकारी दी गई है। कंपनी द्वारा अधिकारियों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं लेकिन कुछ की जानकारी उन्हें नहीं रहती है। बताया कि एसोसिएशन का आसनसोल शाखा देश में सबसे बड़ी शाखा है। पूरे देश में 26 शाखाएं हैं, आसनसोल में इसके 400 के करीब सदस्य हैं। चुनाव के बाद लंबित मुद्दों को लेकर प्रबंधन से बात की जाएगी। इस दौरान ईसीएल के महाप्रबंधक एस कुमार, डा. एनजी मुखर्जी, डा. बिनय श्रीवास्तव, नीलांजन अधिकारी, अंबिका प्रसाद चक्रवर्ती आदि थे।

दैनिक भास्कर
लोकसभा चुनाव 2024
SUNDAY
dainikbhaskar.com

76 साल पुराना कोयला खान भविष्य निधि अधिनियम बदलेगा, जोड़े जाएंगे नए प्रावधान

भास्कर एक्सक्लूसिव : ट्रस्टी बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव मंजूर, कंसल्टेंट तैयार करेगा विधेयक

सूर्यवंती देवी के बेटे

संजय मिश्रा की रिपोर्ट (धनबाद)

76 साल पुराने कोयला खान भविष्य निधि (सीएमपीएफ) एक्ट में बदलाव की तैयारी है। यह एक्ट साल 1948 में बना था। साढ़े सात दशक के दौरान कोयला क्षेत्र और श्रम कानूनों में में काफी बदलाव आया है। एक्ट की कई धाराओं और उप धाराओं के प्रावधान अप्रासंगिक हो चुके हैं। समय-समय पर नए प्रावधान जोड़े गए। इसके बावजूद सीएमपीएफओ प्रबंधन को काम करने में दिक्कतें महसूस हो रही हैं। इसे देखते हुए एक्ट में बदलाव की तैयारी की गई। पिछले दिनों हुई सीएमपीएफ ट्रस्टी बोर्ड की बैठक में नए सिरे से

एक्ट तैयार करने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी। बोर्ड के चेयरमैन अमृत लाल मीणा ने प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया था। इसके लिए सीएमपीएफओ एक कंसल्टेंट नियुक्त करने की तैयारी में है। नए एक्ट का प्रस्ताव तैयार होने के बाद उसे संसद के दोनों सदनों में रखा जाएगा। वहां से पारित होने, राष्ट्रपति की मंजूरी और गजट प्रकाशन के बाद नए एक्ट को लागू कर दिया जाएगा।

पीएफ व पेंशन स्कीम में भी होगा बदलाव

कोयला उद्योग से जुड़े कर्मियों की भविष्य निधि (पीएफ) और पेंशन स्कीम के प्रावधानों में भी बदलाव किया जाएगा। वर्तमान प्रावधानों की समीक्षा के बाद कुछ को हटाकर नए जोड़े जाएंगे। संशोधित नई पेंशन स्कीम कोयला मंत्रालय की अधिसूचना के साथ ही लागू हो जाएगी।

एक्ट में बदलाव की इसलिए पड़ी जरूरत

सीएमपीएफ एक्ट 76 साल पहले लागू किया गया था। उसके बाद से इसमें समय-समय पर संशोधन होते रहे। केंद्र सरकार और कोयला मंत्रालय की ओर से जारी होनेवाले नए आदेशों को लागू करने के लिए एक्ट की धाराओं और उपधाराओं में बदलाव की जरूरत महसूस की गई और बोर्ड में प्रस्ताव लाया गया।

दशकों पुराने सीएमपीएफ एक्ट को नए सिरे से तैयार किया जाएगा। इसमें व्याप्त पुराने प्रावधानों की जगह नए जोड़े जाएंगे। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। संसद की मंजूरी के बाद नया एक्ट लागू हो जाएगा।
– विजय कुमार मिश्रा, आयुक्त, सीएमपीएफओ, धनबाद

https://indianpsu.com/aiace-writes-for-involving-pension-disbursing-banks-for-distributing-revised-ppo-to-pensioners-using-banks-network/

AIACE Writes For Involving Pension Disbursing Banks For Distributing Revised PPO To Pensioners Using Banks' Network

The body says that if hopes its suggestions are considered as they would be cost-effective and time saving as well

AdminMay 6, 2024

280 Less than a minute

WhatsAppFacebookTwitterEmailCopy LinkShare

The All India Association of Coal Executives (AIACE has written a letter to The Commissioner, CMPFO, Dhanbad, request for involving Pension disbursing Banks for distributing revised PPO to pensioners using Banks' network. The copy of the letter has also been marked to the The Secretary, Ministry of Coal, Chairman of Coal India Limited (CIL) and CMD of The Singareni Collieries Company Limited (SCCL), Kothagudam.